# 15 दिसंबर, 2021 करेंट अफेयर्स

## 1. नीति आयोग ने हाल ही में आयोग का 'ई-सवारी इंडिया ई-बस गठबंधन' लॉन्च किया:

REVOLO
EICHER
electrobus

हाल ही में, नीति आयोग ने कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विस लिमिटेड (सीईएसएल) और वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, भारत के सहयोग से "ई-सवारी इंडिया इलेक्ट्रिक बस गठबंधन" (ई-सवारी इंडिया ई-बस गठबंधन) लॉन्च किया है। यह संबद्धता ट्रांसफॉर्मेटिव अर्बन मोबिलिटी इनिशिएटिव (TUMI) द्वारा भी समर्थित है।

### इस संबद्धता का उद्देश्य:

"ई-सवारी इंडिया इलेक्ट्रिक बस गठबंधन" का शुभारंभ, केंद्र सरकार की एजेंसियों, राज्य सरकार की एजेंसियों, शहर-स्तरीय सरकारी एजेंसियों, मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम), पारगमन सेवा प्रदाताओं,

वित्तीय संस्थानों और सहायक सेवा प्रदाताओं को भारत में ई-बस पर अपनी शिक्षा और ज्ञान साझा करने में सक्षम करेगा।

## इस लॉन्च का महत्व:

भारत में, सार्वजनिक परिवहन का विद्युतीकरण विशेष रूप से बस क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। ई-सवारी इंडिया इलेक्ट्रिक बस संबद्धता का शुभारंभ देश में बस परिवहन प्रणाली के स्थिर और तेज विद्युतीकरण को सुनिश्चित करने का एक सराहनीय कदम है। यह शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ई-बस परिनियोजन की खरीद, संचालन और वित्तपोषण की चुनौतियों का समाधान करने में सहायता करेगा।

## भारत में इलेक्ट्रिक बस के बारे में:

इलेक्ट्रिक बस को अपनाने से भारत में प्रणोदन प्राप्त हुआ है। विभिन्न शहरों और उनकी सरकारों ने अपनी बस-आधारित परिवहन प्रणाली को विद्युतीकृत करने के लिए शुरुआत की है। सरकार भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने और विनिर्माण (FAME) योजना के अंतर्गत नौ सबसे बड़े भारतीय शहरों से ई-बस की मांग को एकत्रित कर रही है।

## नीति आयोग के बारे में:

नीति आयोग, भारत की सर्वोच्च सार्वजनिक नीति थिंक टैंक और नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। 2015 में, इसे योजना आयोग के स्थान पर स्थापित किया गया था। इसे भारत की राज्य सरकारों को शामिल

करके आर्थिक विकास को उत्प्रेरित करने और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने का काम सौंपा गया है।

## नीति आयोग द्वारा उठाए गए कुछ प्रमुख कदम:

- 15 वर्ष का रोड मैप
- 7 वर्ष का विजन, रणनीति और कार्य योजना
- अमृत
- डिजिटल इंडिया
- अटल नवाचार मिशन
- चिकित्सा शिक्षा सुधार
- कृषि सुधार आदि।

## 2. आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक सूचकांक:

फाउंडेशन साक्षरता और संख्यात्मक सूचकांक, आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष द्वारा प्रतिस्पर्धात्मकता संस्थान द्वारा तैयार किया जाता है।

इस सूचकांक में, पश्चिम बंगाल बड़े राज्यों की श्रेणी में चार्ट में सर्वोच्च स्थान पर है।

इस सूचकांक ने राज्यों को चार श्रेणियों में विभाजित किया है:

## चार श्रेणियां हैं:

बड़े राज्य, छोटे राज्य, उत्तर पूर्व और केंद्र शासित प्रदेश।

## सूचकांक रिपोर्ट की तैयारी:

'इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस' द्वारा 'फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी पर इंडेक्स' पर रिपोर्ट तैयार की गई है।

इसे प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष विवेक देबरॉय ने जारी किया है।

## रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक सूचकांक 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों में साक्षरता के संकेतक के रूप में कार्य करता है।
- 'बड़े राज्यों' की श्रेणी में, पश्चिम बंगाल को शीर्ष स्थान पर रखा गया है।
- 'बड़े राज्यों' की श्रेणी में बिहार को सबसे नीचे रखा गया है।
- 'छोटे राज्यों' की श्रेणी में केरल को शीर्ष स्थान पर रखा गया है।

- इस सूचकांक में झारखंड सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला देश बनकर उभरा है।
- बड़े राज्य श्रेणी में केरल ने 67.95 स्कोर किया जबकि पश्चिम बंगाल ने छोटे राज्य श्रेणी में 58.95 स्कोर किया।
- केंद्र शासित प्रदेश में, लक्षद्वीप 52.69 के स्कोर के साथ सूचकांक में सबसे ऊपर है।
- पूर्वोत्तर श्रेणी में मिजोरम 51.64 के स्कोर के साथ शीर्ष पर है।
- 50% से अधिक राज्यों ने राष्ट्रीय औसत 28.05 से नीचे स्कोर किया।

## सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले:

- केंद्र शासित प्रदेश की श्रेणी में, लद्दाख सबसे नीचे सूचीबद्ध था।
- उत्तर पूर्व श्रेणी में, अरुणाचल प्रदेश अंतिम स्थान पर है।

## मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक सूचकांक के बारे में:

"आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर सूचकांक" भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दस वर्ष से कम उम्र के बच्चों के बीच मूलभूत शिक्षा की समग्र स्थिति की समझ स्थापित करता है। इसमें पांच स्तंभ हैं, जिसमें 41 संकेतक शामिल हैं। ये पांच स्तंभ हैं:

1. शैक्षिक अवसंरचना

2. शिक्षा तक पहुंच

3. बुनियादी स्वास्थ्य

4. सीखने के परिणाम और

5. प्रशासन।

पांच स्तंभों में से, राज्यों ने विशेष रूप से प्रशासन स्तंभ में खराब प्रदर्शन किया है।

## 3. हाल ही में, भारत और वियतनाम ने आईटी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं:

XPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

जैसा कि, वैश्विक स्तर पर डिजिटलीकरण आवश्यक होता जा रहा है, हाल ही में, भारत और वियतनाम ने भी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

### प्रमुख बिंदु:

- • दोनों देशों के मंत्रियों ने _ अपने-अपने देशों द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया।
- मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच आईसीटी व्यापार और सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की है।

- मंत्रियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि हालांकि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच पहले से ही सक्रिय भागीदारी रही है, तथापि, आगे सहयोग तलाशने की अपार संभावनाएं हैं।

## आईटी में सहयोग पर समझौता ज्ञापन के बारे में:

मंत्रियों ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग पर भारत-वियतनाम समझौता ज्ञापन का विस्तार करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ज्ञापन आईसीटी के क्षेत्र में दोनों पक्षों के क्षमता निर्माण और अन्य सार्वजनिक और निजी संगठनों को बढ़ाने में शामिल सरकारों, निजी संस्थाओं और संस्थानों के बीच सक्रिय सहयोग और आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए उद्देशित है।

## भारत और वियतनाम के बीच संबंध:

भारत और वियतनाम के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध दूसरी शताब्दी से बने हुए हैं। इंडिक चाम पा साम्राज्य ने वियतनामी संगीत को प्रभावित किया था। दोनों देशों के बीच वर्तमान संबंधों को साझा राजनीतिक हितों के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा शासित किया गया है। 1992 में, दोनों देशों ने कृषि, तेल की खोज और विनिर्माण सहित व्यापक आर्थिक संबंध स्थापित किए थे। उनके संबंधों, विशेष रूप से रक्षा संबंधों को भारत की "पूर्व की ओर देखो नीति" से व्यापक रूप से लाभ हुआ।

द्विपक्षीय सैन्य सहयोग में सैन्य उपकरणों की बिक्री, संयुक्त नौसैनिक अभ्यास, खुफिया जानकारी साझा करना, और आतंकवाद विरोधी और जंगल युद्ध में प्रशिक्षण शामिल है।

## सामरिक भागीदारी:

जुलाई 2007 में, भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय संबंधों को "रणनीतिक साझेदारी" में उन्नत किया गया था, जब वियतनामी प्रधान मंत्री गुयेन तान डुंग ने भारत का दौरा किया था। सितंबर 2016 में इसे "व्यापक रणनीतिक साझेदारी" में अग्रसित किया गया था, जब भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम का दौरा किया था।

## मोस्ट फेवर्ड नेशन की स्थिति:

भारत ने 1975 में वियतनाम को "मोस्ट फेवर्ड नेशन" का दर्जा दिया था और दोनों देशों ने 1978 में एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

## 4. मैक्स वर्स्टापेन ने  फॉर्मूला वन विश्व खिताब जीता:

PIRELLI
TAG Heuer
Mobil 1
ORACLE
HONDA
Tezos
Red Bull
HONDA

हाल ही में, मैक्स वर्स्टापेन ने अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स में लुईस हैमिल्टन को पीछे छोड़ते हुए अपना पहला "फॉर्मूला वन (F1) विश्व खिताब" जीता।

## मैक्स वेरस्टैपेन के बारे में:

मैक्स एमिलियन वेरस्टैपेन एक बेल्जियम-डच रेसिंग ड्राइवर है, जो वर्तमान में नीदरलैंड के झंडे के अंतर्गत रेड बुल रेसिंग के साथ फॉर्मूला वन में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

वह 2015 ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री में फॉर्मूला वन में प्रतिस्पर्धा करने वाले सबसे कम उम्र के ड्राइवर भी थे। उस समय उनकी उम्र मात्र 17 वर्ष थी। 2021 अबू धाबी ग्रां प्री में, वह फॉर्मूला वन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले डच ड्राइवर बने। वह 34वें फॉर्मूला वन वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियन बन गए हैं। वह पूर्व F1 ड्राइवर जोस वेरस्टैपेन के बेटे हैं।

## उनके द्वारा अन्य जीत:

2021 तक अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स, वेरस्टैपेन ने 19 और जीत हासिल की हैं। इसमें 2006 के बाद से होंडा द्वारा संचालित ड्राइवर के लिए पहला शामिल है। 2019 और 2020 चैंपियनशिप में, वह तीसरे स्थान पर रहा।

## रेड बुल में वेरस्टैपेन:

रेड बुल में वेरस्टैपेन एक अनुबंध विस्तार के बाद 2023 सीज़न के अंत तक बने रहने के कारण है।

## फॉर्मूला वन के बारे में:

फॉर्मूला वन अंतरराष्ट्रीय ऑटो रेसिंग का सर्वोच्च वर्ग है, जो सिंगल सीटर फॉर्मूला रेसिंग कारों के लिए आयोजित किया जाता है। यह फेडरेशन इंटरनेशनेल डी ल औटोमोबाइल (एफआईए) द्वारा स्वीकृत है। एफआईए फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियनशिप को पहले 1981 तक वर्ल्ड ड्राइवर्स चैंपियनशिप के रूप में जाना जाता था। यह 1950 में अपने

पहले सीज़न के बाद से दुनिया भर में रेसिंग के प्रमुख रूपों में से एक रहा है।

### ग्रांड प्रिक्स के बारे में:

फॉर्मूला वन सीज़न दौड़ की एक श्रृंखला है, जिसे ग्रां प्री कहा जाता है। ग्रांड प्रिक्स दुनिया भर में निर्मित सर्किट और बंद सार्वजनिक सड़कों के प्रयोजनों के लिए है।

## 5. भारत की हरनाज संधू बनीं मिस यूनिवर्स 2021:

लारा दत्ता के बाद भारत की हरनाज संधू 2021 की नई मिस यूनिवर्स बनी हैं। और भारत ने 21 साल बाद यह खिताब अपने नाम किया है।

### मुख्य विचार:

- यह 2021 में 70वीं मिस यूनिवर्स बनीं और यह इलियट, इज़राइल में आयोजित की गई थी।
- भारत का प्रतिनिधित्व सुश्री हरनाज़ संधू ने किया।
- सुश्री संधू 21 साल की हैं और पंजाब की रहने वाली हैं।

- उन्होंने पराग्वे की नादिया फरेरा और दक्षिण अफ्रीका की लालेला मसवाने को पीछे छोड़ते हुए मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया।

## सुश्री संधू को ताज किसने भेंट किया?

सुश्री संधू को ताज एंड्रिया मेजा द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो मेक्सिको से पूर्व मिस यूनिवर्स 2020 थीं।

## इससे पहले यह खिताब जीतने वाले भारतीय?

सुश्री संधू से पहले अब तक केवल दो भारतीयों ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है:

सुष्मिता सेन ने 1994 में और लारा दत्ता ने 2000 में यह खिताब जीता था।

## सुश्री संधू की गौरवपूर्ण यात्रा:

सुश्री संधू ने अपनी यात्रा 17 वर्ष की उम्र में पेजेंट्री में शुरू की थी। इससे पहले उनके द्वारा जीते गए ख़िताब:

- फेमिना मिस इंडिया पंजाब 2019
- मिस दिवा 2021
- उन्हें फेमिना मिस इंडिया 2019 में टॉप 12 में भी रखा गया था।
- उन्होंने पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है।

## मिस यूनिवर्स के बारे में:

- मिस यूनिवर्स एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता है।

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित मिस यूनिवर्स संगठन द्वारा चलाया जाता है।
- यह पेजेंट दुनिया भर में सबसे अधिक देखे जाने वाले पेजेंट में से एक है, जिसके 190 क्षेत्रों में 500 मिलियन दर्शकों के अनुमानित दर्शक हैं।
- मिस वर्ल्ड के अलावा; मिस इंटरनेशनल, मिस अर्थ और मिस यूनिवर्स बिग फोर इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट में शामिल हैं।

## 6. संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट अद्यतन:

IUCN
RED LIST

हाल ही में, संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची के एक अद्यतन के अनुसार, आर्द्रभूमि के विनाश के कारण दुनिया भर में ड्रैगन मक्खियाँ घट रही हैं।

### मुख्य बिंदु:

पहली बार, IUCN की रेड लिस्ट में विलुप्त होने के जोखिम वाली प्रजातियों की संख्या 40,000 से अधिक हो गई है।

दलदल, तराई क्षेत्र और मुक्त बहने वाली नदियों का व्यापक नुकसान, जहां वे प्रजनन करते हैं, उनके पतन का कारण बन रहे हैं।

अधिकतर, यह गिरावट दुनिया भर में अस्थिर कृषि और शहरीकरण के विस्तार से प्रेरित है।

## खतरे में प्रजातियों की संख्या:

IUCN की रेड लिस्ट में विलुप्त होने के जोखिम वाली प्रजातियों की संख्या पहली बार 40,000 से अधिक हो गई है। इसमें अब 142,577 प्रजातियां शामिल हैं, जिनमें से 40,084 विलुप्त होने के कगार पर हैं।

## आईयूसीएन के बारे में:

- प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) प्रकृति संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के क्षेत्र में काम करने वाला यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है।
- यह डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने, अनुसंधान, क्षेत्र परियोजनाओं, उनके पक्ष में वाद रखने और शिक्षा में शामिल है। IUCN का मिशन "प्रकृति के संरक्षण के लिए दुनिया भर के समाजों को प्रभावित करना, प्रोत्साहित करना और सहायता करना है और यह सुनिश्चित करना है कि प्राकृतिक संसाधनों का कोई भी उपयोग न्यायसंगत और पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ हो"।

## आईयूसीएन रेड लिस्ट के बारे में:

- IUCN की रेड लिस्ट का अर्थ है 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटड स्पीशीज।
- इसकी स्थापना 1964 में हुई थी।
- यह सूची विश्व की जैविक प्रजातियों के संरक्षण की स्थिति की सबसे व्यापक सूची है।

- यह प्रजातियों और उप-प्रजातियों के विलुप्त होने के जोखिम के मूल्यांकन के लिए सटीक मानदंडों के एक सेट का उपयोग करता है।
- ये मानदंड दुनिया भर में सभी प्रजातियों और सभी क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक हैं।
- इस सूची को इसके वैज्ञानिक आधार के कारण सबसे अधिक आधिकारिक मार्गदर्शक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

### IUCN रेड लिस्ट का उद्देश्य:

**IUCN रेड लिस्ट** को जनता के साथ-साथ नीति निर्माताओं को संरक्षण के मुद्दों की तात्कालिकता से अवगत कराने के उद्देश्य से बनाया जाता है। यह प्रजातियों के विलुप्त होने को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सहायता करता है। रेड लिस्ट का प्राथमिक उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रजातियों और उप-प्रजातियों की स्थिति पर वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करना है।

## 7. हाल ही में, भारत ने एक नई पीढ़ी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि पी' का परीक्षण किया।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने हाल ही में नई पीढ़ी की परमाणु सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि पी' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

## प्रक्षेपण की मुख्य विशेषताएं:

"अग्नि पी" को ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लॉन्च किया गया है।

मिसाइल के ट्रैक पथ और मापदंडों को कई टेलीमेट्री, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल स्टेशनों, रडार और पूर्वी तट के साथ स्थित डाउन रेंज जहाजों द्वारा ट्रैक और मॉनिटर किया गया था।

अग्नि पी ने पाठ्यपुस्तक पथ का अनुसरण किया और उच्च स्तर की सटीकता के साथ मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया।

## अग्नि पी की मुख्य विशेषताएं:

"अग्नि पी" दो चरणों वाली कनस्तरीकृत ठोस प्रणोदक बैलिस्टिक मिसाइल है, इसमें दोहरी निरर्थक नेविगेशन और मार्गदर्शन प्रणाली है।

यह एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा अग्नि- I और अग्नि- II मिसाइलों के उत्तराधिकारी के रूप में विकसित किया गया है। यह बैलिस्टिक मिसाइल की अग्नि (मिसाइल) श्रृंखला की छठी मिसाइल है। इस मिसाइल को या तो ट्रेन में ले जाया जा सकता है या कनस्तर में भी रखा जा सकता है।

## अग्नि-पी के पहले परीक्षण के बारे में:

डीआरडीओ ने हाल ही में अब्दुल कलाम द्वीप से पहले अग्नि-पी का सफल परीक्षण किया था। इस मिसाइल दो स्वतंत्र रूप से लक्षित पुन: प्रवेश वाहन (MIRV) से लैस थी। यह तीन चरणों वाली ठोस ईंधन वाली मिसाइल है, जिसमें मैन्युवरेबल री-एंट्री व्हीकल (MaRV) की क्षमता है।